भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

19-20 मार्च 2016, नई दिल्ली

महामंत्री प्रतिवेदन

23 जनवरी 2013 - 24 जनवरी 2016

राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन

अनुक्रमणिका

	भूमिका	
1.	गोवा कार्यकारिणी बैठक	6
2.	श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित	7
3.	पूर्व सैनिक रैली, रेवाड़ी (हरियाणा)	8
4.	विधानसभा चुनावों में जबर्दस्त प्रदर्शन	9
5.	विशाल चुनाव अभियान	10
6.	लोकसभा चुनाव परिणाम	12
7.	श्री नरेन्द्र मोदी संसदीय दल के नेता निर्वाचित	16
8.	शपथ ग्रहण समारोह	18
9.	भाजपा-नीत एनडीए सरकार ने की नये युग की शुरूआत	19
10.	श्री अमित शाह बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष	20
11.	राष्ट्रीय परिषद् बैठक, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली	21
12.	संगठन पर्व	22
13.	प्रवास	24
14.	सम्पर्क	25
15.	चुनावों में प्रदर्शन	27
16.	प्रशिक्षण अभियान	29
17.	पार्टी के विभिन्न विभागों की कार्ययोजना का पुनर्गठन	30
18.	संगठनात्मक कार्यक्रम व सेवाकार्य	31
19.	प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों से विदेश नीति को लाभ मिला	37
20	प्रकाशन	39
21.	मोर्चा	40
22.	आह्वान	43

भारतीय जनता पार्टी देश में आज जनाकांक्षाओं की प्रतीक बनकर उभरी है। भाजपा को न केवल चुनावों में जनता का अद्‌भुत विश्वास प्राप्त हुआ है बल्कि आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भी बन गयी है। 'सबका साथ-सबका विकास' एवं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीन दशकों बाद किसी पार्टी को केन्द्र में पूर्ण बहुमत मिला है। कांग्रेस को अब तक की सबसे करारी हार मिली है और मात्र 44 सीटों के साथ विपक्ष में है। 23 जनवरी 2013 को श्री राजनाथ सिंह के अध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ कांग्रेस के कुशासन एवं भ्रष्टाचार के विरूद्ध कई वर्षों से चले आ रहे अभियान को भाजपा ने गति दिया। गोवा कार्यकारिणी में श्री नरेन्द्र मोदी केन्द्रीय चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष बने तथा 13 सितंबर को भाजपा के प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित हुए। पार्टी को चारों ओर से जबरदस्त जनसमर्थन प्राप्त हुआ। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी पार्टी समर्पित भाव से 2014 के चुनावी यज्ञ में लग गई। भारी बहुमत से श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और दिन-रात देश की सेवा में लगे हुए हैं।

भाजपा नीत राजग की सरकार बनने पर पार्टी के हर कार्यकर्ता का दायित्व भी बढ़ गया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के अथक प्रयासों से आज हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हैं और अनेक संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं प्रकल्पों के माध्यम से इस देश के गांव, गरीब, किसान, वंचित, पिछड़े एवं दलितों की सेवा के प्रति कृतसंकल्प हैं। पिछले तीन वर्षों में भाजपा ने नया इतिहास लिखा है और पार्टी जनाकांक्षाओं एवं जनविश्वास पर खरी उतरी है। इन तीन वर्षों में पार्टी ने नई ऊंचाइयां छुई हैं और कई अभिनव प्रयोग कर समृद्ध, सुदृढ़ एवं सशक्त भारत की नींव रखी है।

गोवा कार्यकारिणी बैठक

08-09 जून, 2013 को गोवा में संपन्न राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में श्री नरेन्द्र मोदी को केन्द्रीय चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया गया तथा उनके नेतृत्व में सफल चुनाव प्रबंधन हेतु 20 प्रकार की केन्द्रीय चुनाव अभियान समितियां गठित की गयीं। एक-एक विषय पर सूक्ष्म रूप से विचार करके इन समितियों को वृहद एवं व्यापक बैठकें एवं कार्ययोजना तैयार की गई। तालेगांव, गोवा में ही 09 जून 2013 को कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को कांग्रेस मुक्त करने का आह्वान किया।

पठानकोट रैली

इसके तुरन्त बाद 23 जून 2013 को डा. श्यामा प्रसाद मुकर्जी के बलिदान दिवस पर पठानकोट में श्री नरेन्द्र मोदी ने एक विशाल रैली को संबोधित किया तथा अटल बिहारी वाजपेयी की नीतियों के अनुरूप कश्मीर पर मलहम लगा विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की बात की। स्मरण रहे कि इसी स्थान से 11 मई 1953 को जम्मू-कश्मीर में बिना परमिट प्रवेश करते हुए डा. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने एक जनसभा को संबोधित किया था तथा बाद में जम्मू-कश्मीर प्रवेश करते समय उन्हें गिरफ्तार किया गया एवं 23 जून 1953 को जेल में ही उनका बलिदान हो गया।

श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री प्रत्याशी घोषित

13 सितंबर 2013 को पार्टी द्वारा श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी घोषित हुए। पूरे देश में इससे आशा एवं उत्साह का वातावरण निर्माण हुआ। इस कदम का पूरे देश में स्वागत हुआ और पार्टी कार्यकर्ता पूरे उमंग से चुनाव की तैयारी में लग गये।

पूर्व सैनिक रैली, रेवाड़ी (हरियाणा)

15 सितंबर 2013 को श्री नरेन्द्र मोदी ने रेवाड़ी, हरियाणा में पूर्व सैनिकों की ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया। भारतीय सेना की गौरवशाली इतिहास पर गर्व प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति से ही एक सुरक्षित राष्ट्र एवं उत्कृष्ट सेना का निर्माण हो सकेगा। इस रैली में लाखों की संख्या में शामिल पूर्व सैनिकों का उत्साह देखते ही बनता था।

विधानसभा चुनावों में जबर्दस्त प्रदर्शन

आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जनता ने भाजपा के लिए रास्ता साफ करना शुरु कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हैट्रिक जीत दर्ज की, राजस्थान में भाजपा की शानदार वापसी हुई, दिल्ली में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस को केवल मिजोरम में जीत हासिल हो सकी। 8 दिसम्बर को आए चुनाव परिणामों से देश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर थी, वे ढोल नगाड़े बजाकर मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज कर कांग्रेस का सफाया कर दिया। प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा जनादेश हासिल कर भाजपा ने कांग्रेस को जोरदार शिकस्त दी। राज्य की दो सौ विधानसभा सीटों में 199 पर हुए चुनाव के नतीजों में कांग्रेस का एक तरह से सूपड़ा ही साफ हो गया। भाजपा ने 162 सीटें जीत कर कांग्रेस को सिर्फ 21 पर ही समेट दिया।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस चारों खाने चित्ता हो गई। यह पहला मौका है, जब किसी पार्टी ने प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। भाजपा को 165 सीटों पर विजय हासिल हुई, जबकि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस 58 के आंकड़े पर सिमट गई।

छत्तीसगढ़ में भाजपा बहुमत हासिल कर लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुंची। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की अगुआई में पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 90 सीटों में 49 पर जीत हासिल की। कांग्रेस को 39 सीटों पर जीत मिली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में 31 सीटें जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 28 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस को आठ सीटों से संतोष करना पड़ा।

विशाल चुनाव अभियान

15 सितंबर से 10 मई तक एक लोकतंत्र के चुनावी इतिहास में सबसे बड़ा जनसंपर्क अभियान श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चला। श्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न माध्यमों से एक बहुत ही जीवंत प्रचार अभियान चलाया जिसके अंतर्गत 5827 रैलियों/कार्यक्रमों/घटनाओं/3-डी/चाय पे चर्चा का आयोजन हुआ।

इस विशाल चुनाव अभियान की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- तीन लाख किलोमीटर से अधिक का दौरा किया।
- 25 से अधिक राज्यों का दौरा किया।
- प्रत्येक राज्य के लिए अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।
- 3-डी रैलियों और चाय पे चर्चा आदि नवीनतम प्रयोगों से अत्यधिक जीवंत हो गया चुनाव प्रचार।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे- व्हाट्सअप, ट्वीटर, फेसबुक का व्यापक उपयोग।
- मोबाईल तकनीक द्वारा लाईव टॉक एवं युवा टीवी के माध्यम से जनसंपर्क।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ कई इंटरव्यू किए गये।

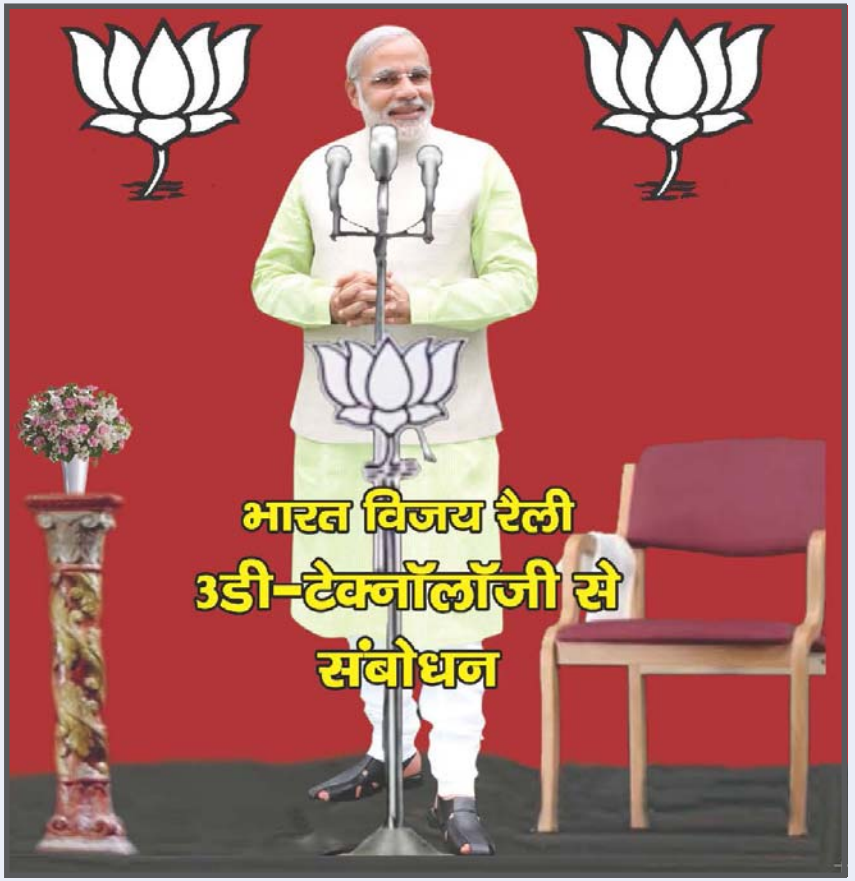

जम्मू से कन्याकुमारी एवं अमरेली से अरुणाचल प्रदेश तक के तीन लाख किलोमीटर तक के उनके अथक यात्रा का विवरण निम्न है:

प्रारंभिक रैलियां	38
भारत विजय रैली	196
अन्य रैलियां एवं कार्यक्रम	241
3डी रैलियां	1350
चाय पे चर्चा	4000
वडोदरा एवं वाराणसी में रोड शो	2
कुल	**5827**

यह अपने आप में एक विराट, व्यापक एवं विविध चुनाव अभियान था जिसमें अनेक अभिनव प्रयोग किये गये। श्री नरेन्द्र मोदी का दिन सुबह 5 बजे से शुरू होता था और कभी-कभी आधी रात तक चलता था। हर दिन अनेक सभाओं को संबोधित कर रात को वापस गांधीनगर जाना और फिर दूसरे दिन सुबह 5 बजे से शुरू करना श्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा एवं समर्पण का परिचायक है। उन्होंने ठीक ही कहा था, ''मैं दौड़ रहा हूं, जनता का प्यार दौड़ा रहा है। न थका हूं, न रूका हूं और देश विरोधी ताकतों के सामने झुकने का तो सवाल ही नहीं है।''

लोकसभा चुनाव परिणाम

16 मई को चुनाव परिणाम घोषित हुए। यह जनादेश वास्तव में अद्‌भुत था। माननीय नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी सफलता की दृष्टि से अभूतपूर्व रहा है। लोकसभा चुनावों में पिछले 30 वर्षों में पहली बार किसी एक दल को 272 से ज्यादा सीटों के साथ बहुमत मिला है। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 543 में से 336 सीटें मिली हैं, जिनमें से भाजपा को 282 सीटें मिली।

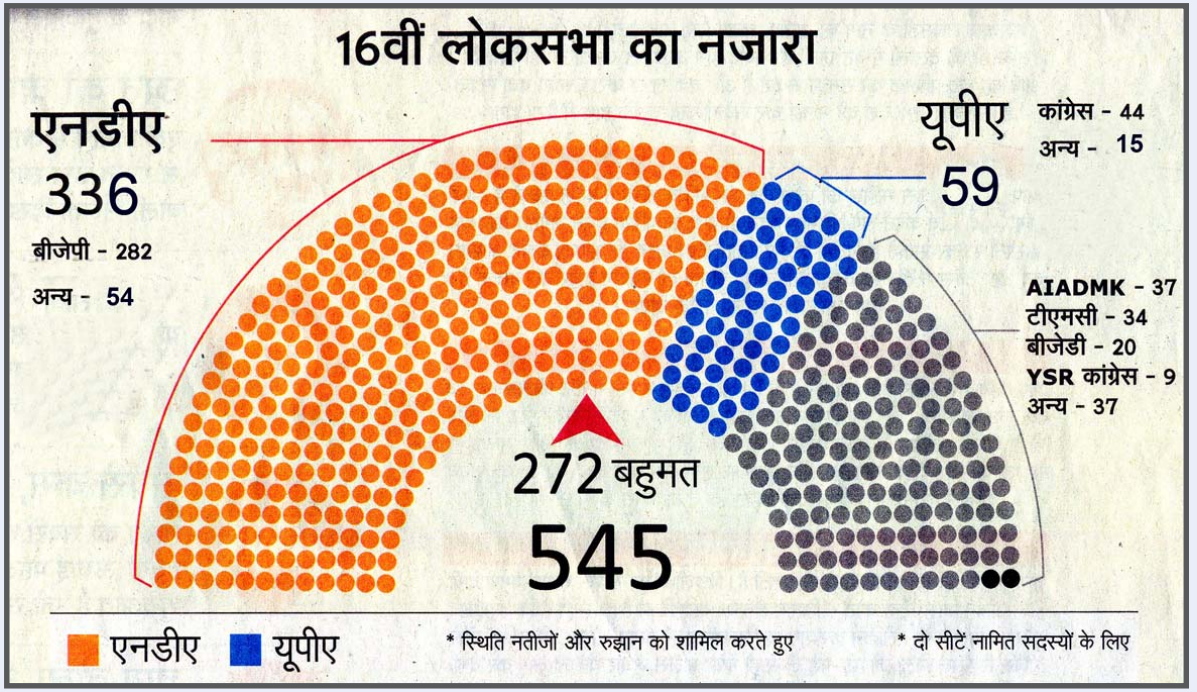

इस बार पहली बार हुआ कि 6 राज्यों और 4 केन्द्र शासित प्रदेशों में सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के ही सांसद चुने गए हैं। गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड और गोवा में भारतीय जनता पार्टी ने शत-प्रतिशत सीटों पर विजय प्राप्त की है। चंडीगढ़, अंडमान-निकोबार, दादर नगर हवेली एवं दमन-द्वीव के केन्द्र शासित राज्यों में भी भाजपा के ही सांसद चुने गए हैं। देश में लम्बे समय से प्रभाव रखने वाली कांग्रेस पार्टी की हार हुई है और भारत के एक बड़े भाग में भाजपा के प्रभाव का विस्तार हुआ है।

कांग्रेस को लोकसभा में सिर्फ 44 सीटें मिली हैं और यूपीए को कुल मिलाकर 58 सीटें ही मिली हैं। वोट प्रतिशत की दृष्टि से देखें तो

भाजपा को 31 प्रतिशत वोट मिले हैं जबकि कांग्रेस को केवल 19.3 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। कांग्रेस पार्टी, जो हमारा मुख्य विपक्षी दल है अब इस स्थिति में है कि उसका आधार सिमट गया है। यह अवसर भाजपा के विस्तार, सुदृढ़ीकरण एवं भाजपा सरकार के सुशासन के प्रसार के रूप में हमें मिला है।

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने 71 और हमारे सहयोगी 'अपना दल' ने 2 सीटें प्राप्त की। उत्तर प्रदेश के लिए यह बड़ी सफलता है। ऐसे ही मध्य प्रदेश की 29 में से 27 सीटों पर भाजपा विजयी हुई। झारखण्ड, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्यों में भारतीय जनता पार्टी को अब तक की सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं।

यह चुनावी सफलता भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और व्यक्तित्व का कमाल तो है ही, यह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और देश की जनता का भारतीय जनता पार्टी और मोदीजी के प्रति विश्वास का सूचक भी है। यह सफलता और विश्वास निरंतर बढ़ता रहा है। लोकसभा चुनावों में इस सफलता के बाद, देश में चार बड़े राज्यों के चुनाव हुए हैं और उनमें भी भारतीय जनता पार्टी को अच्छी सफलता मिली है। यह पहली बार हुआ है कि देश के पूर्वी भाग के किसी राज्य में भाजपा को पूर्ण बहुमत प्राप्त है। महाराष्ट्र और हरियाणा में भी पहली बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनी है। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक के रूप में सरकार में शामिल हुआ। कश्मीर घाटी से भी विधान परिषद में पहली बार भाजपा का प्रतिनिधि चुना गया है और राज्य से राज्य सभा में भी पार्टी को प्रतिनिधित्व मिला है।

भारतीय जनता पार्टी ने ''सबका साथ-सबका विकास'' की उद्घोषणा के साथ देशभर में लोकसभा चुनाव लड़ा। मिशन 272+ का लक्ष्य प्राप्त करते हुये, अकेले भाजपा ने 282 सीटें जीतीं। चुनावों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित हैं:-

कुल सीट	:	543
कुल अनुसूचित जाति सीट	:	84
कुल अनुसूचित जनजाति सीट	:	47

भाजपा का कुल विवरण

- कुल सीटें जीती : 282
- भाजपा (अनुसूचित जाति) सांसद : 40= 47.61 प्रतिशत अनु. जाति सीट
- (महिलाएं शामिल हैं) : 06
- भाजपा (अनुसूचित जनजाति) सांसद : 27= 69.44 प्रतिशत कुल अनुसूचित जनजाति सीट
- (महिलाएं शामिल हैं) : 02
- भाजपा महिलाएं सीट जीती : 28 = 10 प्रतिशत भाजपा ने कुल सीट जीतीं

राजग का कुल विवरण (282 + 54 = 336)

- शेष राजग ने जीतीं : 54
- शेष राजग अनुसूचित जाति सीट जीतीं : 09
- शेष राजग अनुसूचित जनजाति सीट जीतीं : 02
- शेष राजग महिलाओं ने सीट जीतीं : 02
- राजग अनुसूचित जाति सीट जीतीं : 62.02 प्रतिशत
- राजग अनुसूचित जनजाति सीट जीतीं : 70.73 प्रतिशत

16वीं लोकसभा चुनाव में निम्न राज्यों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायी

1. दिल्ली	2. गोवा	3. गुजरात	4. हिमाचल प्रदेश
5. जम्मू एवं कश्मीर	6. झारखण्ड	7. नागालैण्ड	8. ओडिशा
9. राजस्थान	10. सिक्किम	11. तमिलनाडु	12. त्रिपुरा
13. उत्तराखड	14. आंध्र प्रदेश		

निम्न केंद्र शासित प्रदेश राज्यों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पायी

1. अंडमान एवं निकोबार	2. चण्डीगढ़	3. दादरा नगर हवेली
4. दमन एवं द्वीव	5. पुड्डुचेरी	6. लक्षद्वीप

बडोदरा-वाराणसी में जनता का धन्यवाद

चुनाव परिणामों के घोषणा होते ही श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने निर्वाचन क्षेत्र बडोदरा में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने गुजरात से 26 के 26 सीटों पर भाजपा को विजय बनाने के लिए धन्यवाद किया एवं कहा कि उनकी सरकार सबकी सरकार होगी, कश्मीर से कन्याकुमारी एवं कच्छ से कामरूप तक सबके लिए सरकार काम करेगी। उन्होंने जनता को प्रणाम करते हुए कहा कि उनकी सरकार सुशासन को समर्पित होगी।

इसके ठीक दूसरे दिन भी नरेन्द्र मोदी वाराणसी पहंचे जहां जनता ने उनका जबर्दस्त उत्साह से स्वागत किया। काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना के पश्चात उन्होंने प्रसिद्ध दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती में भाग लिया। अपने भाषण में श्री मोदी ने वाराणसी की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन पर विश्वास व्यक्त करने के लिए वे उनका अभिनन्दन करते हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी संसदीय दल के नेता निर्वाचित

20 मई 2014 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में भाजपा के प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी श्री नरेन्द्र मोदी को भाजपा संसदीय दल का विधिवत नेता चुन लिया गया। एक ओर जहां श्री मोदी ने संसद में कदम रखने से पूर्व सीढ़ियों पर मस्तक टेक कर प्रणाम किया वहीं दूसरी ओर वे संबोधन में भावुक हो गये। श्री मोदी ने पार्टी को मां बताते हुए कहा कि बेटा कभी मां पर कृपा नहीं कर सकता, वह सिर्फ सेवा कर सकता है। उन्होंने नवनिर्वाचित सांसदों को यह भी याद दिलाया कि अब वे जिम्मेदारी में है और जनता की आकांक्षाओं-आशाओं को पूरा करने को वे तैयार रहें। इस बैठक के तुरंत बाद एनडीए की बैठक हुई और इसमें भी श्री मोदी औपचारिक रूप से नेता चुने गये। श्री मोदी ने सभी सहयोगियों पार्टी का आभार व्यक्त किया।

शपथ ग्रहण समारोह

श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने भाजपा नीत एनडीए की शानदार जीत के बाद 15वें प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2014 को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शपथ लिया। राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने श्री मोदी को 23 कैबिनेट मंत्रियों, 10 राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 12 राज्य मंत्रियों के साथ शपथ दिलाई। इस ऐतिहासिक अवसर पर पूरा प्रांगण 3500 से भी अधिक गणमान्य व्यक्तियों से भरा था, जिसमें 'सार्क' देशों के शासनाध्यक्ष भी शामिल थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री नवाज शरीफ, श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान के राष्ट्रपति श्री हामिद करजई, नेपाल के प्रधानमंत्री श्री सुशील कोइराला, भूटान के प्रधानमंत्री श्री टी शेरिंग तोपमें और मालदीव के राष्ट्रपति श्री अब्दुल्ला यामिन अब्दुल गयूम विशेष रूप से इस समारोह में शामिल हुए।

भाजपा-नीत एनडीए सरकार ने की नये युग की शुरूआत

श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही देश में आशा एवं विश्वास का एक नया युग प्रारंभ हो गया। पूरे देश में नई कार्य-संस्कृति, भ्रष्टाचारमुक्त शासन, प्रभावी एवं लोक हितकारी व्यवस्था एवं कार्यक्रमों के माध्यम से देश विकासोन्मुखी राजनीति के पथ पर अग्रसर है। हर दिन बिना रुके, बिना थके 18-20 घंटे अथक कार्य कर नई दृष्टि, तीव्र गति एवं पारदर्शी नीतियों से गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित के विकास के लिए वे समर्पित हैं। युवाओं को केवल नौकरी नहीं बल्कि उद्यमी बनाने को लेकर वे निरंतर अभिनव योजनाओं के माध्यम से प्रेरित कर रहे हैं। पूरे भारत की एक नई तस्वीर बन रही है, लोग आत्मविश्वास से भरे सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने अपने विदेश प्रवासों से भारत की एक नई छवि प्रस्तुत की है और वे विश्व का भारत के प्रति नजरिया बदलने में सफल रहे हैं। हमारे पड़ोसी देश भूटान, नेपाल, श्रीलंका सहित चीन, जापान, इंग्लैण्ड, फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका,रूस समेत अनेक देशों के साथ ना केवल राजनयिक एवं कूटनीतिक संबंध बनाए बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है। आतंकवाद पर सभी देशों को एकजुट करने की बात हो या विकासोन्मुखी एजेंडा, अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा के शब्दों में श्री नरेन्द्र मोदी 'मैन ऑफ एक्शन' बनकर उभरे हैं। यही कारण था कि बहुत ही कम समय में उनकी अपील पर 177 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संयुक्त राष्ट्र संघ में मुहर लगाई। यह हमारे लिए बहुत ही गौरव की बात है कि 21 जून 2015 को 192 देशों में योग दिवस पूरे उत्साह से मनाया गया।

प्रधानमंत्री महोदय ने पूरे देश में निरंतर सघन प्रवास कर जनसंपर्क एवं जनसंवाद कायम रखा है। कश्मीर में सैनिकों के साथ दीवाली मनाने से लेकर उत्तर-पूर्व का दौरा, देश के लगभग सभी हिस्सों में विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन एवं आधारशिला रख वे एक सुदृढ़ भारत की कल्पना साकार करने में लगे हैं। इसके अलावा संसद में बराबर उपस्थित रहकर चर्चा में भाग लेते हुए वे संसद सदस्यों को देशहित के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोकतंत्र को मजबूत करने का आह्वान करते रहे हैं। यदि कुछेक घटनाओं को छोड़ दें तो संसद की उत्पादकता में भी भारी वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री के अथक कार्य से हर देशवासी को अब आशा की नई किरण दिखाई पड़ रही है।

श्री अमित शाह बने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

9 जुलाई 2014 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने पार्टी के नए अध्यक्ष के नाते श्री अमित शाह के नाम की घोषणा की। गृहमंत्री बनने के बाद 'एक व्यक्ति-एक पद' सिद्धांत के अनुरूप अपने त्यागपत्र की घोषणा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि आज से और अभी से श्री अमित शाह भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री शाह को मिठाई खिलाकर बधाई दी। श्री राजनाथ सिंह ने श्री अमित शाह को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को उत्तर प्रदेश में असाधारण सफलता मिली। उनमें गजब की सांगठनिक क्षमता है और वे प्रबंधन में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से पार्टी अध्यक्ष के नाते श्री अमित शाह का नाम तय हुआ। श्री शाह के भाजपा अध्यक्ष बनते ही देशभर में स्थित पार्टी कार्यालयों में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

राष्ट्रीय परिषद् बैठक, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की एक दिवसीय राष्ट्रीय परिषद् बैठक 9 अगस्त 2014 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में संपन्न हुई। इसमें जहां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत राजग सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की गई, वहीं पार्टी संगठन को सशक्त करने को लेकर भी योजनाएं बनाई गईं। बैठक का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने किया। उन्होंने सारगर्भित एवं ओजस्वी भाषण दिया। बैठक में सर्वसम्मति से एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वश्री (डॉ.) मुरली मनोहर जोशी, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह, केन्द्रीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रीगण श्री शिवराज सिंह चौहान (मध्य प्रदेश), श्रीमती वसुंधरा राजे (राजस्थान), श्रीमती आनंदी बेन (गुजरात), डॉ. रमन सिंह (छत्तीसगढ़), श्री मनोहर पर्रिकर (गोवा) सहित भाजपा विधायक, सांसद, पदाधिकारी समेत प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। लोकसभा चुनाव 2014 के बाद हुई पार्टी की पहली राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने यह आह्वान करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को कांग्रेस से मुक्त करने का आह्वान किया था, मगर भारत कांग्रेस मुक्त तभी होगा जब हम उसे भाजपा युक्त करेंगे।

संगठन पर्व

- भाजपा में प्रत्येक छः वर्षों के अंतराल पर सदस्यता अभियान का प्रचलन रहा है। श्री अमित भाई ने पार्टी अध्यक्ष का पद ग्रहण करने के तुरंत बाद अगस्त 2014 में दिल्ली में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पार्टी के संविधान में संशोधन लाकर सदस्यता अभियान को नया और प्रभावी स्वरुप दिया। इसमें ऑनलाइन सदस्यता को मान्यता दी गई।

- श्री अमित शाह व उनकी पूरी टीम ने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन-रात कठिन परिश्रम किया और इस दौरान 39,681 किमी की यात्रा करके देश के सभी राज्यों में प्रवास किया। इन अथक प्रयासों का ही प्रभाव था कि पार्टी ने पूर्व के सारे कीर्तिमानों को तोड़ते हुए सदस्यों की संख्या 2,47,32,439 से लगभग पांच गुना बढ़ा कर 11,20,55,750 तक पहुंचा दी।
- सदस्यता अभियान को गति देने के लिए 50 से भी अधिक प्रकार के अलग अलग कार्यक्रम पार्टी द्वारा किये गए।
- सदस्यता अभियान की पारिदर्शिता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहली बार सभी नए बने सदस्यों के नाम के साथ-साथ उनका पता और फोन नंबर भी संग्रहित किया जा सका।
- आन्ध्र प्रदेश, असम, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल जैसे सात सांगठनिक एवं चुनावी सफलता की दृष्टि

से कमजोर राज्यों में सदस्यता अभियान के दौरान विशेष ध्यान दिया गया। इन प्रयासों के परिणाम उत्साहवर्धक थे जो कि पार्टी के उज्ज्वल भविष्य को इंगित करते हैं।

- विभिन्न राज्यों में 5500 पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं ने छः महीने तक सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई ।
- सदस्यता अभियान में उत्तरपूर्व एवं केन्द्रशासित राज्यों पर विशेष ध्यान देते हुए उनको केंद्र में रख कर बैठकें की गयीं।

महासम्पर्क अभियान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भाजपा अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 1 मई को भारतीय जनता पार्टी का संपर्क अभियान प्रारम्भ किया। सदस्यता पूर्ण होने पर सभी सदस्यों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके, उन्हें पार्टी की जानकारी (इतिहास, विकास व उपलब्धियों) का पत्रक व सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका देकर घर-घर कार्यकर्ताओं का जाना हुआ है।

प्रधानमंत्री जी के घर से संपर्क अभियान की शुरुआत होकर, घर-घर तक कार्यकर्ताओं की टीम ने लगकर कार्य किया है।

प्रवास

- पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से सीधा संपर्क करने हेतु श्री अमित शाह ने विभिन्न प्रदेशों में प्रवास को प्राथमिकता देते हुए जनवरी 2016 तक के अपने 20 माह के कार्यकाल में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रतिदिन 484 किमी के औसत से कुल 2,86,936 किमी की यात्रा की।
- चुनाव के अतिरिक्त किसी और प्रयोजन के लिए पार्टी के पदाधिकारियों द्वारा निजी विमान के उपयोग पर पूर्ण रूप से रोक लगाने का निर्णय किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने स्वयं भी इस नियम का पालन किया।
- सामान्य परिस्थितियों में प्रवास के दौरान महंगे होटलों में ठहरने पर रोक लगा कर सरकारी गेस्ट हाउस में रुकने के लिए पार्टी के पदाधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया।
- कार्यकर्ताओं से सीधे संपर्क को बढ़ावा देने के लिए पदाधिकारियों को रात्रि प्रवास के लिए प्रोत्साहित किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने स्वयं रात्रि प्रवास के आग्रह का पालन किया और 80 प्रतिशत से अधिक प्रवासों में रात्रि निवास किया।

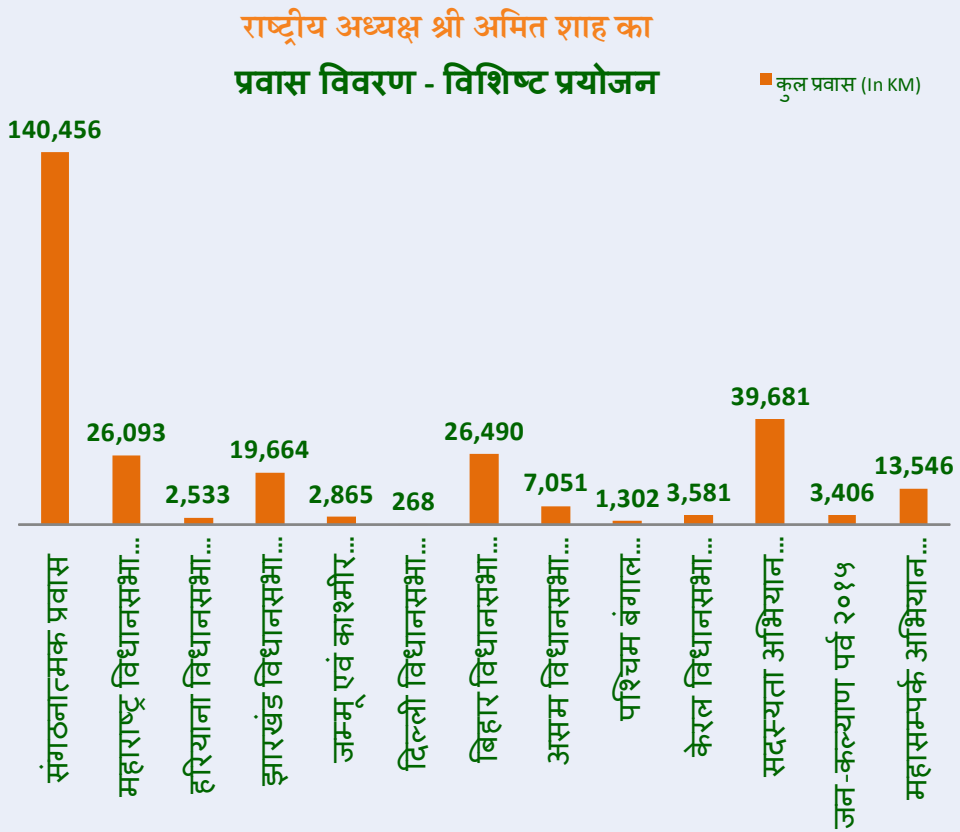

- दमन द्वीव, दादर नगर हवेली, लक्षद्वीप व अंडमान छोड़कर देश के समस्त राज्यों में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने प्रवास किया और सभी सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों से संवाद किया। इसी क्रम में अधिकतर स्थानों में शुद्ध रूप से संगठनात्मक विषय चर्चा का केंद्र रहे।
- संगठन में विकेन्द्रीकरण को बल देते हुए क्षेत्रीय बैठकों की परंपरा पुनर्स्थापित की गई।
- राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, सह संगठन महामंत्री व अन्य प्रमुख पदाधिकारियों का हर प्रांत में समय लगाकर विस्तृत प्रवास की योजना बनी है।
- संगठनात्मक एवं चुनावी सफलता की दृष्टि से सात कमजोर राज्यों की विशेष चिंता राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री करेंगे। हर प्रांत के लिए एक केंद्रीय मंत्री को दायित्व मिलेगा।
- अपना संसदीय क्षेत्र छोड़कर अन्य दो संसदीय क्षेत्र में मंत्रियों ने 36 घंटों का प्रवास किया है।
- सभी सांसदों ने अपने क्षेत्र के सभी विधानसभाओं में प्रवास किया है।

सम्पर्क

- **जन संवाद :** माह के प्रथम एवं तृतीय सोमवार को भाजपा मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी स्वयं आम जन से मिलने हेतु पूरे दिन उपस्थित रहते हैं। कोई भी पदाधिकारी एवं साधारण कार्यकर्ता भी बिना पूर्व

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह का
राज्यवार प्रवास

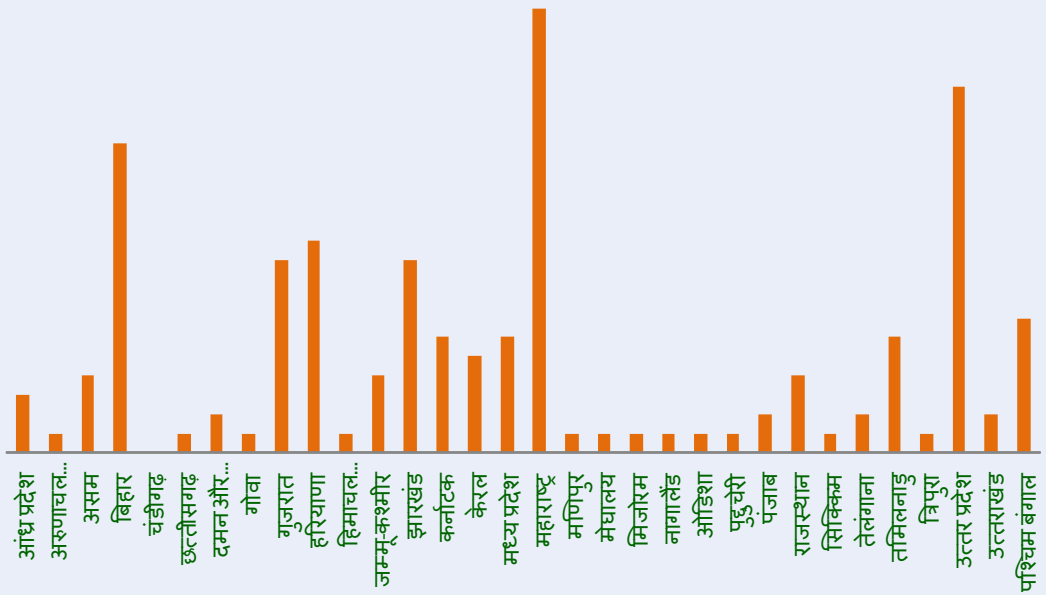

सूचना के मिल सकता है। यह क्रम गत 6 अप्रैल 2015 से निरंतर चल रहा है।

- संगठनात्मक विषयों पर विशेष बल देने के लिए हर तीन महीने में संगठन मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने बैठकें की।
- संगठन और सरकार के बीच समन्वय रखने हेतु प्रधानमंत्री जी और 6 वरिष्ठ मंत्रियों के साथ श्री अमित शाह ने लगभग एक दर्जन बैठकें की।
- विभिन्न समविचारी संगठनों के साथ निरंतर संपर्क रख पार्टी के साथ समन्वय पर जोर दिया।
- विभिन्न राज्यों के प्रवास के दौरान वह सभी लोग जो दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से मिलने के लिए प्रयासरत थे, उनसे मिलने के लिए हर प्रवास में 2 घंटे का समय अलग से रखा।

चुनावों में प्रदर्शन

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम

- इस दौरान हुए 6 राज्यों के चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली जहां पार्टी 4 राज्यों में जीत कर सरकार में आई, वहीं 2 राज्यों में पार्टी को अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।
- महाराष्ट्र में लम्बे समय से चले आ रहे गठबंधन के टूटने पर अकेले चुनाव लड़कर भाजपा को सबसे अधिक विधायकों वाली पार्टी बनाकर पहली बार प्रदेश में अपना मुख्यमंत्री बनाया ।
- हरियाणा में बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ने का साहसी निर्णय लिया और पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बना।
- लम्बे समय से अस्थिरता से अभिशप्त झारखण्ड में पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश को भाजपा के नेतृत्व में एक स्थायी सरकार दी।
- आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में भाजपा को सर्वाधिक मत प्रतिशत मिला और गठबंधन सरकार में पार्टी का उपमुख्यमंत्री बना।
- दिल्ली में चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिली परन्तु मत प्रतिशत यथावत रहा।
- बिहार में जदयू के साथ गठबंधन टूटने के बाद पार्टी ने पहली बार 160 सीटों पर चुनाव लड़ा। अनेक प्रयासों के बावजूद प्रदेश की नई परिस्थितियों और विपक्ष के एकीकरण की वजह से पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत में बदलाव				
राज्य	पिछले चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत	वर्तमान चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत	मत प्रतिशत में बदलाव	टिपण्णी
महाराष्ट्र	12.2	27.8	+15.6	भाजपा का मुख्यमंत्री
हरियाणा	9.0	33.2	+24.2	भाजपा का मुख्यमंत्री
झारखण्ड	20.2	31.3	+11.1	भाजपा का मुख्यमंत्री
जम्मू एवं कश्मीर	12.5	23.0	+10.5	भाजपा का उप-मुख्यमंत्री
दिल्ली	33.0	32.2	-0.8	भाजपा की पराजय
बिहार	16.5	24.4	+7.9	भाजपा की पराजय

चुनाव परिणाम

लोकसभा सांसद : 281 (एनडीए 336) / 543

राज्यसभा सांसद : 48 (एनडीए 63) / 250

विधायक : 31 प्रांतों में विधानसभा है। इनमें से 25 प्रांतों में 1025 विधायक हैं।

लोकसभा सदस्यों व विधानसभा सदस्यों की दृष्टि से भाजपा पहले स्थान पर है।

विधान परिषद सदस्य : 7 प्रांतों में विधानपरिषद है। इनमें पार्टी के 79 सदस्य हैं।

चुनाव : इसी मध्य कई प्रांतों में स्थानीय निकाय, पंचायत चुनाव सम्पन्न हुए। अनेकों स्थानों पर बहुत अच्छी सफलता मिली (जैसे- असम, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल आदि। झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, पंजाब व गुजरात

पंचायत चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं आये। विधानसभा उपचुनाव व विधान परिषद के चुनावों में भी अच्छी सफलता मिली है।

लेह-लद्दाख, चण्डीगढ़, दमन द्वीव, दादरा नगर हवेली व अंडमान निकोबार में नगर पालिका अध्यक्ष/मेयर बने। इसमें से कई स्थानों पर पहली बार इतनी सफलता मिली। मणिपुर विधानसभा के दो उप-चुनाव जीतकर खाता खोला तथा वहां पंचायत चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन हुआ है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में संगठनात्मक तैयारी पूरी हुई है। सभी जगह वोट प्रतिशत व सीट बढ़ने की सम्भावना है। अरूणाचल प्रदेश में भाजपा के समर्थन से सरकार बनी है।

प्रशिक्षण अभियान

- संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए अथक प्रयास किये गए और पारम्परिक रूप से चलाये जाने वाले प्रशिक्षण अभियान को नए आयाम दिए। राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर पर पार्टी की स्थापना के बाद पहली बार प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- मंडल स्तरीय कार्यकर्ता/ पदाधिकारी प्रशिक्षण अभियान में नए कीर्तिमान बने। इस वर्ष के अभियान में अब तक की सहभागिता 7,76,067 तक पहुंच चुकी है और अभियान अभी भी जारी है। अभी कई प्रांतों में होना शेष है।
- प्रशिक्षण में सरलता के लिए पार्टी के साहित्य को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करवा कर वितरित किया।

पार्टी के विभिन्न विभागों की कार्ययोजना का पुनर्गठन

विभिन्न स्तरों पर पार्टी कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर पर विभिन्न विभागों एवं प्रकल्पों का पुनर्गठन करके उनके कार्यक्रमों का विस्तार किया। इस क्रम में पार्टी के विभिन्न विभागों को 19 विभागों में पुनर्गठित किया और 10 नए प्रकल्प बनाये:

केंद्रीय विभाग

1. सुशासन तथा केंद्र -राज्य शासकीय कार्यक्रम समन्वय विभाग
2. नीति विषयक शोध विभाग
3. मीडिया विभाग
4. मीडिया संपर्क विभाग
5. प्रशिक्षण विभाग
6. राजनैतिक प्रतिपुष्टि और प्रतिक्रिया विभाग
7. राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठकें विभाग
8. डॉक्यूमेंटेशन एवं ग्रंथालय विभाग
9. सहयोग, आपदीय राहत व सेवाएं विभाग
10. अध्यक्षीय कार्यालय, प्रवास एवं कार्यक्रम विभाग
11. प्रचार - साहित्य निर्माण विभाग
12. ट्रस्ट समन्वय विभाग
13. चुनाव प्रबंधन विभाग
14. चुनाव आयोग संपर्क विभाग
15. कानूनी और विधिक विषय विभाग
16. पार्टी पत्रिकाएं तथा प्रकाशन विभाग
17. आईटी, वेबसाईट और सोशल मीडिया प्रबंधन विभाग
18. विदेश संपर्क विभाग
19. आजीवन सहयोग निधि विभाग

केंद्रीय प्रकल्प

1. जिला कार्यालय निर्माण प्रकल्प
2. कार्यालय आधुनिकीकरण प्रकल्प
3. ग्रंथालय निर्माण प्रकल्प
4. ई ग्रंथालय प्रकल्प
5. स्वच्छता अभियान प्रकल्प
6. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रकल्प
7. नमामि गंगे प्रकल्प
8. राष्ट्रीय सदस्यता अभियान (प्रकल्प)
9. राष्ट्रीय महा संपर्क अभियान (प्रकल्प)
10. राष्ट्रीय प्रशिक्षण अभियान (प्रकल्प)

संगठनात्मक कार्यक्रम व सेवाकार्य

लगातार चुनाव रहने के कारण अधिकांश कार्यक्रम चुनाव केन्द्रित रहे हैं। फिर भी कुछ विशिष्ट कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं:-

जन कल्याण पर्व: 26 मई 2015 को केन्द्र सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देश भर में एक सप्ताह तक सरकार की उपलब्धियों पर प्रेस कांफ्रेंस, प्रदर्शनी, सभायें 35 राज्यों के 206 स्थानों पर आयोजित हुई जिसमें 4,82,170 लोगों की सहभागिता रही। राज्यों के बहुत स्थानों पर बड़े प्रभावी कार्यक्रम हुये। दीनदयाल धाम, मथुरा में प्रधानमंत्री जी की अभूतपूर्व जनसभा हुई जिसमें दो लाख तक संख्या रही।

रक्षाबंधन (बीमा पर्व) : महिला सुरक्षा के लिए देशभर में कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा बंधन के रूप में माताओं, बहिनों के जनधन खाते खोले एवं 12 रूपये, 330 रुपए में आम आदमी ने बीमा कराये।

31 अक्टूबर 2015 : सरदार पटेल जयंती पर एकता दौड़, सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण, विचार गोष्ठी, सेमिनार जैसे कार्यक्रम हुये।

सांसदों का सम्पर्क अभियान : सांसद व मंत्रियों द्वारा 30 घंटे तक दो-दो लोकसभा क्षेत्रों में रहकर, जमीनी स्तर पर केंद्र सरकार की उपलब्धियों की चर्चा हेतु जनता में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

जन स्वाभिमान अभियान : 18, 19, 20 जनवरी 2016 को जेएनयू व हैदराबाद विश्वविद्यालय की घटना पर सभी राज्यों में व जिला केन्द्रों तक कार्यक्रम हुये।

स्वच्छ भारत अभियान : 10 दिनों तक सभी राज्यों में कार्य लिया गया। सिर पर मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने के लिये राज्यों में विशेष अभियान लिया गया।

मुद्रा योजना : अभी तक 2.7 करोड़ हितग्राहियों को 99,468 करोड़ रुपये का ऋण वितरण करके स्वरोजगार में लगाये गये। पार्टी ने अभियान चलाकर छोटे कामगारों को बैंकों से सहायता करने के लिए प्रयास किये।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 21 जून को पूरी दुनिया योगमय हो गयी। मुख्य समारोह दिल्ली में राजपथ पर प्रधानमंत्री जी एवं विभिन्न योग गुरुओं के साथ पचास हजार महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया।

गरीब कल्याण योजनायें : प्रभावी क्रियान्वयन में सांसदों की भूमिका- विषय पर 19 अप्रैल 2016 को एक दिन की प्रशिक्षण कार्यशाला की गई जिसमें सांसदों को क्षेत्र में योजना विस्तार के लिये उपयोगी सूत्र दिये।

संगठनात्मक एवं चुनावी सफलता की दृष्टि से कमजोर राज्यों के लिए विशेष योजना: असम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल के लिए केन्द्रीय प्रभारी मंत्री को संगठन की मजबूती के लिये विशेष कार्य में लगाया गया।

उत्तर पूर्वी राज्य : 16 अप्रैल से 28 अप्रैल तक नार्थ ईस्ट के हर राज्य के जिला स्तर के कार्यकर्ताओं से प्रत्यक्ष मिलकर संवाद किया और पार्टी की मजबूती के लिए उचित योजनायें बनायी।

सहयोग : भाजपा मुख्यालय में सरकार से सम्बन्धित कार्यों के लिए प्रतिदिन दोपहर 03.00 बजे से 05.00 बजे तक एक केन्द्रीय मंत्री उपलब्ध रहते हैं।

सुशासन दिवस (25 दिसम्बर) कार्यक्रम : सभी 36 राज्यों के जिला व मंडल केन्द्रों पर केन्द्र सरकार व राज्यों की भाजपा सरकार के उल्लेखनीय कार्यों का प्रचार-प्रसार।

आंदोलनात्मक कार्यक्रम : केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तराखण्ड, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक एवं असम में घोटालों, भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी के विरुद्ध आंदोलन, सभायें हुयीं। सैंकड़ों कार्यकर्ता घायल हुए। गिरफ्तारियां हुई।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक : बेंगलुरू (कर्नाटक) में 3, 4 अप्रैल को कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुयी। जिसमें 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' एवं 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत सिर पर मैला ढोने की प्रथा के उन्मूलन का संकल्प लेकर देशभर में कार्यकर्ताओं की टीम लग गयी है और 2016 अंत तक इस कुप्रथा से मुक्ति संभव हो सकेगी।

शासन के स्तर पर

मा. श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, सेना के जवान, नौजवान, किसानों को समर्पित है। मानवता के आधार पर पड़ोसी एवं अन्य देशों से हमारे संबंध मजबूत हुए हैं। दलित, शोषित, पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए यह सरकार लगातार कार्यरत है। केन्द्र सरकार द्वारा 20 महीनों में प्रारम्भ की गई जनकल्याणार्थ कुछ प्रमुख योजनायें निम्न हैं :-

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- प्रधानमंत्री जन-धन योजना
- स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना
- मेक इन इंडिया
- डिजिटल इंडिया
- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ
- स्वच्छ भारत अभियान
- नमामि गंगे अभियान
- JAM - जनधन-आधार-मोबाइल
- उदय-उज्ज्वल डिस्कॉम एश्युरेंस योजना
- किसान फसल बीमा योजना
- सांसद आदर्श ग्राम योजना

- 'कृषि मृदा स्वास्थ्य कार्ड' जारी करना
- मजदूरों के हितों के लिये श्रमेव जयते योजना का शुभारंभ तथा न्यूनतम 1000 पेंशन योजना
- योग दिवस (21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) पर कार्यक्रम
- सुकन्या समृद्धि खाता योजना
- रेडियो पर प्रधानमंत्री का नियमित संबोधन (मन की बात)
- 100 स्मार्ट सिटी योजना की घोषणा
- 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' योजना

अन्य विशिष्ट उपलब्धियां

- बाबा साहब अंबेडकर की 125वीं जयंती पर विश्व स्तर का संस्थान का शिलान्यास किया।
- घुमन्तू जनजातियों हेतु आयोग का गठन किया गया है।
- ऐतिहासिक नागालैण्ड समझौता (एनएससीएन के साथ)
- नेपाल में 25 अप्रैल 2015 को भूकंप आपदा पर ऑपरेशन मैत्री, चंद घंटों में राहत व बचाव कार्य किया गया।
- सीमा पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया।
- बांग्लादेश से 40 वर्षों से चल रहा सीमा विवाद खत्म करके ऐतिहासिक समझौता।
- ईराक में फंसी भारतीय नर्स, लीबिया व यमन में फंसे 4741 भारतीयों को 48 अन्य देशों में फंसे 1947 नागरिकों को सुरक्षित वापसी करने का सफल ऑपरेशन किया गया।
- 892 पुराने कानूनों को समाप्त करने हेतु प्रभावशाली कदम उठाया।

- गरीबों को एलपीजी कनेक्शन के द्वारा स्वच्छ ईंधन देने का 2000 करोड़ का कार्यक्रम। महिला सशक्तिकरण और उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एक अनूठा कदम है।
- रेल बजट में दीनदयाल सवारी डिब्बा सहित अंत्योदय एक्सप्रेस की शुरूआत की।
- पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्मशताब्दी एवं श्री गुरु गोविन्द सिंह जी की 300वीं जन्मशती समारोह आयोजन हेतु 100-100 करोड़ राशि बजट में आवंटित की है।
- हाल ही के बजट में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र पर मुख्य फोकस किया गया है। प्रत्येक योजना में गांव, गरीब, किसान एवं मजदूरों को केन्द्र में रखकर बजटीय आवंटन में ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। इन क्षेत्रों में आजादी के बाद से अब तक प्रस्तुत बजट में सर्वाधिक आवंटन किया गया है।
- नीम कोटेड यूरिया के द्वारा खपत में बचत, भूमि सुधार तथा यूरिया की काला बाजारी पर रोक।
- सक्षम किसान- समृद्ध किसान, गांव बढ़ेगा देश बढ़ेगा, हर खेत को पानी (Per Drop-More Crop), दीनदयाल ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत मई 2018 तक शत-प्रतिशत गांवों का विद्युतीकरण हो सकेगा।
- वन रैंक- वन पैंशन की दशकों पुरानी मांग पूर्ण करके धनराशि आवंटित की गयी।
- राष्ट्रीय युद्ध स्मारक निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी।
- कई राज्यों में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हुआ है।

विपदा में सहायता : देश के अंदर हो चाहे बाहर हो, किसी भी प्रकार की आपदा में संगठन व सरकार ने पूरी सक्रियता से पीड़ितों की सहायता की है। असम, तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश में भीषण बाढ़ के समय पार्टी ने राहत कार्य में सक्रिय भाग लिया।

भाजपा शासित राज्य सरकारों द्वारा भी अनेक जनकल्याण की योजनाएं चलाई जा रही हैं। कई राज्यों में परिवर्तन भी स्पष्ट दिख रहा है। गरीबों की आय में वृद्धि, कृषि विकास दर, बालिका जन्मदर में वृद्धि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में व जल संसाधन आदि क्षेत्रों में कई राज्यों ने विशेष उपलब्धि प्राप्त की है।

पिछले एक वर्ष में संगठन के स्तर पर सबसे बड़े दल के रूप में तथा सरकार के स्तर पर निर्णायक, विश्वसनीय, दिशा देने वाली, भ्रष्टाचार मुक्त तथा दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ाने वाली सरकार की छवि बनी है।

संगठनात्मक चुनाव

- यह चुनाव का वर्ष था। राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव संपन्न हुए। 24 जनवरी 2016 को श्री अमित शाह सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
- अब तक 21 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं।

हर बूथ पर कार्यक्रम

हर बूथ पर अब वर्ष भर में तीन कार्यक्रम केंद्र की योजना से और तीन कार्यक्रम स्थानीय योजना से होगी। इसकी रूपरेखा की घोषणा कार्यकारिणी में होगी।

समन्वय

- प्रदेश इकाई एवं केंद्र के समन्वय की दृष्टि से केंद्र की बैठक।
- सरकार एवं संगठन के समन्वय की दृष्टि से प्रधानमंत्री जी का महामंत्रियों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक
- समविचारी संगठनों एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ समय-समय पर बैठकें हुई, जिससे सहज वातावरण का निर्माण हुआ।
- सांसदों से राज्यवार रात्रि भोजन के साथ बैठक व अनौपचारिक चर्चा हुई। अब तक सभी राज्यों के सांसदों से मुलाकात हो चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरों से विदेश नीति को लाभ मिला

पिछले 20 महीनों में प्रधानमंत्री मोदी जी की विदेश नीति की पहल से व्यापक बढ़त दिखाई दे रहा है। उनकी 'एक्ट ईस्ट' नीति से बांग्लादेश, म्यांमार, दक्षिण कोरिया, जापान, फिजी तथा आस्ट्रेलिया के अन्य देशों में विस्तृत प्रभाव दिखाई दे रहा है। अब जापान हमारे

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजना में बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी बन गया है। मध्य-पूर्व के तेल समृद्ध देशों के साथ अधिक गहन सम्बंध, कनाडा तथा अस्ट्रेलिया के साथ परमाणु ईंधन के लिए आपूर्ति समझौते से हमारी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है। भारतीय तथा चीनी नेताओं के साथ नियमित बैठकों से द्विपक्षीय सम्बन्धों में विस्तार हुआ है। अमरीका, इंग्लैंड, जर्मनी और फ्रांस जैसे पश्चिमी देशो के साथ संबंधों में नई ऊंचाइयां प्राप्त हुई हैं और अब हमें आतंकवाद संबंधों में भारत के सुरक्षा सम्बन्धों आदि मुद्दों पर अधिक सहयोग मिल रहा है। ये सभी देश भी 'मेक इन इण्डिया', 'डिजिटल इण्डिया', 'स्टार्ट अप इण्डिया' जैसी पहल पर सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

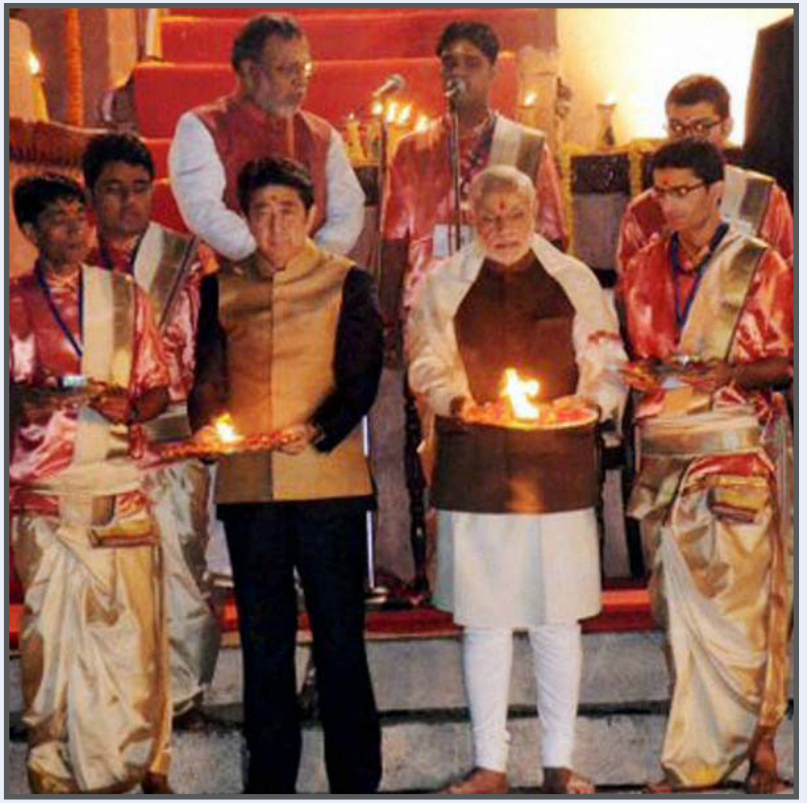

प्रधानमंत्री के विदेश दौरों का एक महत्वपूर्ण पहलू विश्व के व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर काम करना भी है। जर्मनी के साथ मिलकर पार्टनर देश के रूप में भागीदारी और सिलीकॉन वैली, यूएसए मे 'डिजीटल इण्डिया' कान्क्लेव में भारत की भागीदारी इसके दो प्रमुख उदाहरण हैं।

तीसरा महत्वपूर्ण पहलू इण्डियन डायसपोरा के साथ काम करना है। श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर उन्होंने अमरीका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, सिंगापुर, मलेशिया, इंग्लैंड, मॉरीशस आदि अनेक देशों में वहां के प्रमुख लोगों को सम्बोधित किया है। इंग्लैंड में हमारे प्रधानमंत्री को सुनने के लिए ऐतिहासिक बेम्बले स्टेडियम में कड़ी ठण्ड में 60,000 लोगों की असाधारण भीड़ इसका उदाहरण है। इन घटनाओं में न केवल सभी धर्मों और भाषाओं के लोग इकट्ठा हुए, बल्कि स्थानीय राजनीतिज्ञों, नीति-निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं ने भी शामिल होकर इसे अत्यंत प्रभावशाली बना दिया। कनाडा और इंग्लैंड में इन देशों के प्रधानमंत्रियों ने भी श्री मोदी के साथ डायसपोरा इवेंट्स को सम्बोधित किया जबकि अमरीका, कनाडा तथा इंग्लैंड में स्टेट प्रीमीयर्स, कांग्रेसजन, संसद सदस्य भी यहां उपस्थित रहे।

प्रकाशन

राष्ट्रीय स्तर पर सभी पार्टी पत्रिकाओं के संपादकों की दो बार बैठक दिल्ली में संपन्न हुई। इन बैठकों में स्वयं श्री अमित शाह जी एवं महामंत्री (संगठन) उपस्थित रहे। पूरे देश के प्रकाशन के लिए नई कार्ययोजना तैयार हुई। पार्टी का मुखपत्र कमल संदेश हिंदी व अंग्रेजी में पाक्षिक नियमित प्रकाशित हो रहा है, जिसकी प्रसार संख्या 47000 है। 18 राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं में पार्टी की मासिक पत्रिकायें (साढ़े चार लाख संख्या) प्रकाशित हो रही हैं। दिल्ली में संपन्न राष्ट्रीय परिषद बैठक में कमल संदेश विशेषांक 'युवा भारत' का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के कर कमलों द्वारा विमोचन हुआ। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पूण्यतिथि 11 फरवरी 2016 को पुस्तक 'युवाओं के दीनदयाल' का लोकार्पण हुआ। वैचारिक प्रबोधन के लिये बहुत बड़ा कार्य हो रहा है।

आइटी, वेबसाइट एवं सोशल मीडिया प्रबंधन विभाग

यह विभाग पार्टी के डिजिटल कम्युनिकेशन का प्लेटफार्म बन चुका है। यह बहुत ही कुशलता से पार्टी की अनेकानेक गतिविधियों को संचालित करने में सूचना प्रौद्योगिकी का उत्कृष्ट उपयोग करता है। यही नहीं, 2014 में भाजपानीत राजग सरकार बनने के बाद यह सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, उपलब्धियां और आम जनता के बीच संवाद से संबंधित अनुसंधान कार्यों में भी संलग्न है। ऑडियो ब्रिज, ट्विटर, फेसबुक एवं प्रधानमंत्री एप्प आदि तकनीकों के माध्यम से संगठन के अन्दर तथा बाहर संवाद नियमित रूप से सुनिश्चित किया गया।

मोर्चा

महिला मोर्चा

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की समय-समय पर बैठकें होती रही है जिनमें संगठन विस्तार एवं मोदी सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु चर्चा की गई। नारी सम्मान यात्रा पूरे देश में निकाला गया तथा महिला मोर्चा द्वारा सफलतापूर्वक सदस्यता अभियान चलाया गया।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा

पहली बार पिछड़ा वर्ग मोर्चे का गठन हुआ। पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने देशभर में अपने संगठन का विस्तार किया। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष प्रो. एस.पी. बघेल का देश भर में प्रवास हुआ। अनेक सम्मेलनों का आयोजन किया गया ताकि पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग में भाजपा का अधिक से अधिक जनाधार बढ़ सके।

भारतीय जनता युवा मोर्चा

पार्टी द्वारा चलाए गये सदस्यता अभियान में भाजुयमो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विशेष सदस्यता अभियान चलाकर सदस्यता अभियान को तेज गति दी। मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजयुमो ने युवा-केन्द्रित 5 सरकारी योजनाओं को लेकर पंच क्रांति अभियान (योग क्रांति, कौशल क्रांति, निर्माण क्रांति, कन्या शक्ति क्रांति, स्वच्छता क्रांति) चलाया जिसके तहत सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किये गये। इंडिया फर्स्ट - भाजयुमो राष्ट्रीय अधिवेशन में लगभग 12000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया जिसका उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी एवं समारोप वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली जी ने किया। देश भर में राष्ट्र विरोधी ताकतों को चुनौती देते हुए वृंदावन, शिमला, गुजरात, चंडीगढ़, जोधपुर, मुम्बई एवं कई अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गए।

किसान मोर्चा

मोर्चा द्वारा किसान सम्मेलन तथा किसान संघों के साथ बराबर बैठके और चर्चा होती रही। किसान आत्महत्या, बाढ़ और सूखे से प्रभावित राज्यों का दौरा भी किया गया। सरकार द्वारा किसानहित में चलाये जा रहे योजना जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का प्रचार प्रसार किया गया। किसान सम्मेलनों और सभाओं में भाजपा शासित राज्यों और केन्द्र सरकार के उपलब्धियों की जानकारी दी गयी। किसान की समस्याओं को लेकर विभिन्न राज्यों में बराबर धरने, प्रदर्शन, ज्ञापन इत्यादि किया गया। किसान जागरण सप्ताह द्वारा किसान मोर्चा की उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाया गया।

अल्पसंख्यक मोर्चा

अल्पसंख्यक मोर्चे ने एक ओर सदस्यता अभियान, महासम्पर्क अभियान जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई वहीं दूसरी ओर नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में चल रही एनडीए सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजना जैसे स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री महिला सुरक्षा बीमा और विशेषकर अल्पसंख्यक मंत्रालय, मानव संसाधन मंत्रालय, कौशल विकास मंत्रालय द्वारा अल्पसंख्यक समाज के उत्थान के लिए चलाई जाने वाली सभी योजनाओं का प्रचार किया ताकि अल्पसंख्यक समाज और अधिक संख्या में भाजपा के साथ जुड़ सके।

अनुसूचित जाति मोर्चा

नियमित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठकें एवं प्रवास के साथ-साथ दलित महिला सम्मेलन का दिल्ली में आयोजन हुआ जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल उपस्थित थे। इसके साथ ही भाजपा शासित राज्य एवं गठबंधन सरकारों के मंत्रियों एवं सांसदों की बैठकें एवं कार्यशालाएं आयोजित की गई। 14 अप्रैल को बड़े ही धूम-धाम से मोर्चा ने सभी प्रदेशों व अन्य स्तरों पर पूरे देशभर में डॉ. अंबेडकर जयन्ती मनाई गई। 26 नवम्बर संविधान दिवस पर मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम किए। मोर्चा की ओर से एक स्मारिका मई 2015 में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में विमोचन किया गया।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा

महान स्वतंत्रता सेनानी रानी गाईडिल्यू के जन्मशताब्दि वर्ष के अवसर पर 8 अक्टूबर 2015 को सेनापति जिले, मणिपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 नवम्बर 2015 को मानगढ़ में अंग्रेजों द्वारा घेरकर, धोखे से मारे गए आदिवासियों की श्रद्धांजलि सभा, मानगढ़धाम बांसवाड़ा, राजसीान में आयोजित किया गया। मानगढ़ को राष्ट्रीय स्मारक बनाने हेतु केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजने और प्रदेश की ओर से आदिवासी संग्रहालय बनाने की घोषणा हुई। भारत में जनजाति वर्ग के विकास हेतु नीतियां एवं उनके क्रियान्वयन हेतु केन्द्र में भाजपा सरकार द्वारा किए गए अब तक के प्रयासों का प्रचार-प्रसार हेतु प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई।

आह्वान

पूरे देश ने भारतीय जनता पार्टी और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है। हम सबके कंधों पर उस विश्वास का दायित्व है। जन-जन की आकांक्षाओं को पूरा कर 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने में सरकार एवं संगठन पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। भारत हर क्षेत्र में तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर हुआ है। कार्य संस्कृति में परिवर्तन देखा जा रहा है तथा सरकारी तंत्र उत्साहजनक वातावरण में परिणामकारक कार्य में जुट गये हैं। देश के सर्वांगीण विकास एवं विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखकर अनेक अभिनव योजनाएं परिणाम दे रही है। बंद पड़ी एवं अवरुद्ध योजनाएं पुनर्जीवित की गईं हैं और देश से नकारात्मकता एवं निराशा का माहौल खत्म हो गया है। किसान हो या श्रमिक, कुशल हो या अकुशल, रोजगार प्राप्त हो या बेरोजगार- सब सरकार की प्राथमिकताओं में है। गांव-गरीब किसान-युवा, दलित-जनजाति एवं महिलाएं - हर वर्ग से उत्थान के लिए विशेष योजनाएं तीव्र गति से चल रही है। मोदी सरकार ने आशा एवं विश्वास का एक नया युग प्रारंभ किया है।

भाजपा का हर कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य से जुटकर विकसित, समृद्ध, भ्रष्टाचार मुक्त तथा वैभवशाली भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के नेतृत्व में संगठन का नये क्षेत्रों में विस्तार हो रहा है तथा एक सुसंगठित समर्पित एवं लक्ष्य प्राप्ति को तत्पर संगठन की कल्पना को प्रभावी तरीके से मूर्तरुप देने के कार्य चल रहे हैं। बदलती परिस्थितियों में नई चुनौतियों को स्वीकार करना हमारे कार्यकर्ताओं के लिए नयी बात नहीं है। हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने के साथ-साथ एक सशक्त संगठन हैं जो उत्कृष्टता के मानदण्डों पर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। जैसा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले के प्राचीर से अपने पहले संबोधन में कहा था कि 'राष्ट्र की नियति' पूरे विश्व के कल्याण की है उसी दिशा में संगठन निरंतर प्रयासरत है। मां भारती की सेवा और उपासना का व्रत लिए हुए हम सभी उसी विराट विचार की साधना में लगे हुए हैं। विरोध के स्वर आते-जाते रहेंगे। हम अपने कर्म पर अडिग रहें।

ध्येय के आलोक से ही, है प्रकाशित पंथ अपना।
राष्ट्र को सर्वस्व अर्पित, क्या रहा अब शेष अपना।।
दीप जीवन का जला कर, मातृभू की अर्चना है।
चिर विजय की कामना, कर्म ही आराधना है।।

वन्देमातरम्